आसियान-भारत सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास योजना

अभी आवेदन करें अपना आसियान भागीदार खोजें

सामान्य विवरण:

भारत 1992 से आसियान (दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ) के लिए संवाद भागीदार रहा है। 2012 में, संवाद भागीदार के रूप में 20 वीं वर्षगांठ के अवसर पर, भारत-आसियान ने स्मारक शिखर सम्मेलन मनाया और अपने संबंधों को रणनीतिक स्तर तक बढ़ाने की घोषणा की।

आसियान के सदस्य देश इस प्रकार हैं-

i.ब्रुनेई ii.कंबोडिया iii.इंडोनेशिया

iv.लाओ पीडीआर v.मलेशिया

vi.म्यांमार vii.फिलीपींस viii.सिंगापुर

ix.थाईलैंड x.वियतनाम

आसियान-भारत विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सहयोग 1996 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर आसियान भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्य समूह (एआईडब्ल्यूजीएसटी) की स्थापना के साथ औपचारिक रूप से शुरू हुआ। प्रारंभ में, सहयोगात्मक आसियान-भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी गतिविधियों को आसियान भारत निधि (एआईएफ) के माध्यम से सहायता प्रदान की गई थी, लेकिन 2008 में, भारत सरकार ने अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं और संबद्ध परियोजना विकास गतिविधियों का समर्थन करने के लिए आसियान भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकास निधि (एआईएसटीडीएफ) नामक एक समर्पित निधि की स्थापना की। एआईएसटीडीएफ का कुल बजट आईएनआर में 5 मिलियन अमरीकी डालर के बराबर राशि है। 5 मिलियन अमरीकी डालर की यह राशि संयुक्त रूप से विदेश मंत्रालय (एमईए) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा साझा की जाती है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (भारत सरकार) भारत की ओर से आसियान-भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग कार्यक्रम के निष्पादन और कार्यान्वयन के लिए नोडल विभाग है।

शांति, प्रगति और साझा समृद्धि के लिए आसियान-भारत साझेदारी के लक्ष्यों और उद्देश्यों को लागू करने के लिए शांति, प्रगति और साझा समृद्धि के लिए आसियान-भारत साझेदारी (2021-2025) की कार्य योजना और आसियान-भारत स्मारक शिखर सम्मेलन के विजन स्टेटमेंट को आसियान और भारत के नेताओं द्वारा अपनाया गया था। इस कार्य योजना के कार्यान्वयन के माध्यम से, आसियान और भारत राजनीतिक रूप से एकजुट, आर्थिक रूप से एकीकृत, सामाजिक रूप से जिम्मेदार और वास्तव में जन-उन्मुख, जन-केंद्रित और नियम-आधारित आसियान के लिए आसियान समुदाय सहित आसियान समुदाय निर्माण और एकीकरण प्रक्रिया का समर्थन करने की

दिशा में काम करेंगे, विकास की खाई को कम करेंगे और आसियान कनेक्टिविटी बढ़ाएंगे। दोनों पक्ष साझा और उभरती चुनौतियों से निपटने में सहयोग को बढ़ावा देंगे और समग्र शांति, स्थिरता और समृद्धि में योगदान देने के लिए साझा चिंता के मुद्दों पर अन्य अंतरराष्ट्रीय में समन्वय बढ़ाएंगे।

आसियान-भारत विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सहयोग के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित सिद्धांतों पर आधारित हैं-

• विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार में सहयोग को प्रोत्साहित करना और बढ़ावा देना, जिसमें संयुक्त अनुसंधान गतिविधि, और स्वास्थ्य, संचारी और उभरते संक्रामक रोगों, पर्यावरण प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और शमन उपायों, कृषि प्रौद्योगिकियों, वैकल्पिक ऊर्जा, जैव विविधता, खाद्य प्रसंस्करण, मूल्य वर्धित उत्पादों के विकास के लिए उन्नत सामग्री, और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोगों जैसे क्रॉस-सेक्टोरल क्षेत्रों पर विकास शामिल है;

· आपसी लाभ के लिए क्षमता निर्माण और संयुक् त अनुसंधान और विकास सहित जैव प्रौद्योगिकी में सहयोग को प्रोत् साहित करना और बढ़ावा देना।

· आसियान-भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकास कोष के तहत गतिविधियां शुरू करना और कार्यक्रम/परियोजनाएं विकसित करना;

सहयोगात्मक अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) का समर्थन करने और आसियान एमएस और भारत के शोधकर्ताओं के बीच अग्रिम अनुसंधान सुविधाओं को साझा करने की सुविधा के लिए, भारत और आसियान "आसियान-भारत सहयोगात्मक अनुसंधान और विकास कार्यक्रम" योजना शुरू करने के लिए सहमत हैं।

निम्नलिखित प्रकार के प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जाएगा:

• आसियान और भारत परियोजना प्रस्तावक जिनके पास पहले से ही एक मौजूदा आसियान-भारत सहयोगी परियोजना है

• विशुद्ध रूप से व्यक्तिगत दौरे / प्रशिक्षण कार्यक्रम;

• सेमिनारों/कार्यशालाओं का आयोजन या सम्मेलन/कांग्रेस में भागीदारी।

<u>प्राथमिकता अनुसंधान क्षेत्र:</u>

वर्तमान कॉल के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्र नीचे दिए गए हैं:
• खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहित कृषि जैव प्रौद्योगिकी
• फार्मास्यूटिकल्स और ड्रग डेवलपमेंट
• स्वच्छ ऊर्जा सामग्री और प्रणालियों

लक्ष्य:
• भारत और आसियान सदस्य देशों के बीच बातचीत और वैज्ञानिक सहयोग को तेज करना
• भारत और आसियान सदस् य देशों में मौजूदा अनुसंधान परियोजनाओं/नेटवर्कों को जोड़ना
• युवा विद्वानों की मानव और संस्थागत क्षमता और अनुसंधान प्रशिक्षण और विकास को बढ़ाना

परियोजना की अवधि:
अधिकतम 2 वर्ष। परियोजना की तकनीकी प्रगति के आधार पर अधिकतम 6 महीने की अवधि के लिए कोई लागत विस्तार पर विचार नहीं किया जा सकता है।

पात्रता:
आसियान एमएस संस्थान में नियमित संकाय / शोधकर्ता के रूप में नियुक्ति के साथ वैज्ञानिक, पीएचडी डिग्री (चिकित्सा पेशेवरों के मामले में एमडी) रखने वाले प्रधान अन्वेषक (पीआई) के रूप में आवेदन कर सकते हैं।
परियोजना प्रस्तुत करने की तारीख को प्रत्येक परियोजना प्रतिभागी की अधिकतम आयु 60 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

जिन पीआई ने पहले ही आसियान-भारत अनुसंधान एवं विकास परियोजना पूरी कर ली है, वे पहले से ही आवंटित परियोजना की समापन औपचारिकताओं को पूरा करने की तारीख से 2 साल बाद ही आवेदन कर सकते हैं।

पीआई और अन्य परियोजना प्रतिभागियों की नियुक्ति परियोजना की अवधि के अंत तक होनी चाहिए। परियोजना की मंजूरी के बाद किसी भी मामले में पीआई / परियोजना प्रतिभागी और / या संस्थान के परिवर्तन के लिए किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

परियोजना में एक जूनियर फैकल्टी / वैज्ञानिक या एक पोस्ट-डॉक्टर शामिल हो सकता है। प्रत्येक भाग लेने वाले देश पर प्रतिभागियों की कुल संख्या 2 (दो) से अधिक नहीं होनी चाहिए।

भारत में योग्य संस्थान:
यूजीसी द्वारा भारतीय कानूनों के तहत मान्यता प्राप्त सभी विश्वविद्यालय / शैक्षणिक संस्थान, सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित अनुसंधान एवं विकास संस्थान / प्रयोगशालाएं आवेदन करने के लिए पात्र हैं।

निजी कंपनियां/अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाएं, गैर सरकारी संगठन और संघ/कंसोर्टियम इस योजना के तहत वित्त पोषण के लिए पात्र नहीं हैं।

आसियान एमएस में योग्य संस्थान:

सभी अकादमिक/अनुसंधान संस्थान और विश्वविद्यालय जो आसियान सचिवालय से धन प्राप्त करने के लिए पात्र और मान्यता प्राप्त हैं, आवेदन करने के पात्र हैं। आसियान साझेदार संस्थानों की योग्यता से संबंधित प्रश्नों को आसियान सचिवालय से क्रॉस चेक या सत्यापित किया जा सकता है।

<u>परियोजना टीम की संरचना और दौरे की अवधि:</u>

- इस परियोजना को भारत के वैज्ञानिकों/शोधकर्ताओं और आसियान सदस्य देशों के भागीदारों द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया जाना है।
- परियोजना टीम में भारत से एक परियोजना अन्वेषक (पीआई) और कम से कम 2 अलग-अलग आसियान सदस्य राज्यों के पीआई शामिल होने चाहिए।
- प्रत्येक देश से परियोजना प्रतिभागियों की अधिकतम संख्या केवल दो (एक लीड पीआई और एक जूनियर शोधकर्ता यानी युवा संकाय / वैज्ञानिक या एक पोस्ट-डॉक्टर) होनी चाहिए।
- प्रत्येक प्रतिभागी देश से प्रति वर्ष केवल एक यात्रा को भारतीय परियोजना प्रतिभागियों द्वारा प्रत्येक भाग लेने वाले आसियान एमएस की यात्रा करने की अनुमति है और इसके विपरीत आसियान परियोजना प्रतिभागियों द्वारा भारत की यात्रा करने की अनुमति है।
- प्रत्येक यात्रा की अवधि लीड पीआई के लिए प्रति वर्ष अधिकतम 14 दिन और जूनियर शोधकर्ताओं के लिए प्रति वर्ष अधिकतम 30 दिन हो सकती है। एक यात्रा को एक वैज्ञानिक द्वारा भागीदार देश की यात्रा के रूप में परिभाषित किया गया है।
- आसियान एमएस के साथ साझेदारी करने के लिए भारतीय प्रतिभागियों की यात्रा (ओं) को अन्य भारतीय भागीदारों की यात्रा के साथ अधिक नहीं होना चाहिए और इसे अन्य यात्राओं के साथ जोड़ा नहीं जाना चाहिए।

<u>अनुदान जानकारी:</u>

एआईएसटीडीएफ के तहत निधियां केवल रुपये में उपलब्ध हैं। इसलिए, निम्नलिखित दिशानिर्देशों के अनुसार बजट / निधियों को केवल भारतीय रुपये में पेश किया जाना चाहिए-

1. वित्त पोषण सहायता केवल आसियान एमएस और इसके विपरीत साझेदारी के लिए भारत से परियोजना प्रतिभागियों / शोधकर्ताओं की गतिशीलता का समर्थन करने के लिए उपलब्ध है।
2. मौजूदा उपकरणों के सहायक उपकरण या ऐड-ऑन के लिए कुछ वृद्धिशील वित्तपोषण यानी 5 लाख रुपये प्रति वर्ष; रसायन और उपभोग्य सामग्रियां आदि भी केवल भारतीय भागीदार संस्थान के लिए उपलब्ध हैं।

3. वैज्ञानिक जनशक्ति (एक पद-डॉक्टर) के लिए वेतन केवल भारतीय भागीदार संस्थान को समर्थित किया जाएगा।
4. भारतीय साझेदार संस् थान/विश् वविद्यालय को ओवर-हेड प्रभार परियोजना के कुल गैर-यात्रा बजट के 5 प्रतिशत की दर से देय होगा।
5. परियोजना प्रतिभागियों की गतिशीलता के लिए सामान्य सहायता निम्नलिखित वित्तीय मानदंडों के अनुसार सहायता दी जाएगी-

• वीजा शुल्क, विदेशी चिकित्सा बीमा, अंतर्राष्ट्रीय यात्रा से जुड़ी घरेलू यात्रा आदि सहित देश में कार्यस्थल पर भेजने वाले देश में काम के स्थान तक सबसे कम इकोनॉमी क्लास द्वारा अंतर्राष्ट्रीय हवाई किराया

• संबंधित भागीदार देश (भारत से आसियान एमएस और इसके विपरीत) की यात्रा के लिए स्थानीय आतिथ्य व्यय (आवास, बोर्डिंग, हवाई अड्डा हस्तांतरण आदि) को प्रति दिन 7,000 रुपये (सभी समावेशी) का समर्थन किया जाएगा।

6. मूल्यांकन समिति द्वारा अनुशंसित और एआईएसटीडीएफ द्वारा अनुमोदित संपूर्ण अनुदान जारी किया जाएगा और आईएनआर में लीड इंडियन इंस्टीट्यूट के निपटान में रखा जाएगा।
7. इस कॉल के खिलाफ लगभग 20 परियोजनाओं का समर्थन किया जाएगा, जिनका अनुदान आकार आमतौर पर 2 वर्ष की अवधि के लिए 35-40 लाख रुपये होगा।

मूल्यांकन और चयन:

परियोजना प्रस् तावों/आवेदनों का मूल् यांकन आसियान और भारत द्वारा निम् नलिखित पर स् वतंत्र रूप से किया जाएगा

मूल्यांकन मानदंड: (प्राथमिकता के क्रम में सूचीबद्ध नहीं)

• दोनों पक्षों पर चल रहे अनुसंधान के लिए यात्राओं का अतिरिक्त मूल्य

• प्रस्तावित विनिमय गतिविधियों और प्रत्याशित परिणामों की वैज्ञानिक और तकनीकी योग्यता

• प्रस्तावित दृष्टिकोण की व्यवहार्यता

• दो प्रयोगशालाओं/संस्थानों की विशेषज्ञता और पूरकताएं

• आवेदकों की योग्यता और अनुभव

• युवा शोधकर्ताओं के प्रशिक्षण और विकास के अवसर

• आसियान एमएस और भारत के बीच अनुसंधान साझेदारी और संस्थागत लिंक की स्थापना के लिए प्रस्तावित गतिविधियों के लाभ

• अनुवर्ती सहयोगी गतिविधियों के लिए क्षमता

रिपोर्टिंग:

अनुदान प्राप्तकर्ताओं को परियोजना के प्रत्येक वित्तीय वर्ष के बाद एआईएसटीडीएफ पोर्टल पर एक वैज्ञानिक और वित्तीय रिपोर्ट ऑनलाइन जमा करनी होगी।

जमा करना:

परियोजना प्रस्ताव भारतीय और आसियान एमएस पार्टनर वैज्ञानिकों द्वारा संयुक्त रूप से तैयार किए जाने चाहिए और केवल ऑनलाइन ही प्रस्तुत किए जाने चाहिए (यहां क्लिक करें)

ऑनलाइन आवेदन कैसे करें:

परियोजना प्रस्तावों को ऑनलाइन प्रस्तुत करने के लिए निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान दिया जाए:

- आवेदकों को पहले आसियान ऑनलाइन पोर्टल में पंजीकरण करना चाहिए पंजीकरण के लिए यहां क्लिक करें
- लॉग-इन करने के बाद, आवेदकों को उपयोगकर्ता प्रोफ़ाइल के अंतर्गत प्रोफ़ाइल विवरण अनुभाग में सभी अनिवार्य फ़ील्ड भरने होंगे, जिसमें बायो डेटा, फोटो, संस्थान का पता आदि शामिल हैं।
- प्रस्ताव के कुछ विवरण जैसे परियोजना शीर्षक, परियोजना सारांश, कीवर्ड, परियोजना के उद्देश्य, अपेक्षित आउटपुट और प्रस्ताव के परिणाम आदि को प्रस्ताव प्रस्तुत करते समय दर्ज करना होगा।
- प्रस्ताव की अन्य प्रासंगिक जानकारी एकल पीडीएफ फाइल, 10 एमबी से अधिक नहीं, के रूप में अपलोड की जानी चाहिए।

आवेदक को निम्नलिखित संलग्नकों के साथ ऑनलाइन आवेदन जमा करना चाहिए:

• प्रत्येक परियोजना सहभागी के सी.वी.

• भारतीय अग्रणी पीआई के साथ चल रही और हाल की अनुसंधान परियोजनाओं की सूची (चल रही और हाल की शोध परियोजनाओं की सूची के लिए प्रारूप) डाउनलोड करें

• भागीदार संस्थान से समर्थन पत्र की एक प्रति (भागीदारी संस्थान से समर्थन पत्र के लिए प्रारूप) डाउनलोड करें

आवेदन करने और जमा करने की अंतिम तिथि:

परियोजना प्रस्तावों को भारत और आसियान एमएस सहयोगियों द्वारा संयुक्त रूप से तैयार और प्रस्तुत किया जाना चाहिए और केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किया जाना चाहिए। पूरी परियोजना जमा करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2022 (भारतीय समयानुसार शाम 5 बजे) है।

अधूरे प्रस्ताव और जो घोषणा के दिशानिर्देशों के अनुसार तैयार नहीं किए गए हैं, उन पर किसी भी मामले में विचार नहीं किया जाएगा।

संपर्क:

किसी भी अधिक जानकारी और/या प्रश्नों के लिए, कृपया संपर्क करें:

भारत में
श्री आर.के. शर्मा, वरिष्ठ निदेशक (वैज्ञानिक-एफ)
अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग,
क्रमांक-1सी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ब्लॉक-1,
प्रौद्योगिकी भवन,
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (भारत सरकार)
न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110022
दूरभाष: 011-26537976,
ईमेल: sharma_rk [at] nic [dot] in

आसियान में

क्षेत्रीय विकास निदेशालय, आसियान आर्थिक समुदाय (एईसी) विभाग

आसियान सचिवालय | 70ए जालान सिसिंगमंगराजा |

जकार्ता 12110 इंडोनेशिया

दूरभाष. (62 21) 724-3372, 726-2991 विस्तार। 240

फैक्स(62 21) 739-8234, 724-3504

ईमेल- विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रभाग [पर] आसियान [डॉट] org